आज की मुरली का सहज सार और सहज पुरुषार्थ ---------- Date:18-09-14

अपनी याद और पढ़ाई से हम बच्चों को मनुष्य से देवता बनाने वाले, परमपिता-परमात्मा शिवबाबा ने कहा, मीठे बच्चे - तुम बाप के पास आये हो अपने कैरेक्टर्स सुधारने, तुम्हें अब दैवी कैरेक्टर्स बनाने हैं.

यह हम सब जानते है की बाबा हमें सतयुग के लायक आत्मा बनाने के लिए हम आत्माओं को पढ़ा रहे हैं. फिर हम आत्माओं कहते है, अभी दो बातों का पुरुषार्थ भी करना है - १. याद की यात्रा, जिसे आत्मा पतित से पावन बन जाये. २. दैवी-गुणों की धारणा, जिसे आत्मा सतयुग के लिए लायक बने.

बाबा यह भी कहते है की पावन तो सब आत्माओं को बनना है क्योंकि पावन बने बीना तो आत्माये अपने घर-परमधाम वापस जा नहीं सकती और बाबा आये है सब आत्माओं को वापस अपने घर ले जाने के लिए तो हर मनुष्य आत्मा को पावन तो जरूर बनना पड़ेगा. बाबा यह भी स्पष्ट बताते है की अभी आत्माओं को पावन बनने के दो रास्ते है - पतित-पावन बाप की याद से पावन बने या सजाये खाकर पावन बने.

हम बच्चों को सतयुग के लायक बनने के लिए अभी दैवी-गुणों को भी धारण करना ही हैं. तो हमें स्वयं में चेक करना हैं की हमारे में कहा तक देवी-गुण आये हैं. वैसे तो देवी-गुणों की लिस्ट बड़ी लम्बी हैं लेकिन यहाँ हम मुख्य चार देवी गुणों को हमारे में कैसे चेक करें वह समझने का प्रयास करते हैं.

चार मुख्य दैवी-गुणों हैं, पवित्रता, संतुष्टता, धैर्यता और रमणीयता.

संपूर्ण पवित्रता कि स्वयं में चैकिंग ---

- पवित्रता को चेक करने के लिए हमारी वृति को चेक करना हैं. अगर मेरी वृति स्वच्छ हैं तो मेरी आँखें किसी पर भी ठहरेगी नहीं, आँखें धोखा नहीं देगी. चेक करें की मन-वचन-कर्म से संबन्ध-सम्पर्क में आनेवाली सर्व आत्माओं प्रति हमारी वृति भाई-भाई की रहती हैं.

- बाबा ने कहा हैं की व्यर्थ संकल्प भी अपवित्रता हैं. तो हमें ये स्वयं में चेक करना हैं की कहा तक व्यर्थ संकल्पों पर हमारा क़ाबू हैं.
- स्वयं से और परमपिता-परमात्मा से संपूर्ण ऑनेस्ट रहनेवाली आत्मा ही संपूर्ण पवित्र बन सकती हैं. तो चेक करें हम कितना ऑनेस्ट बने हैं.
- इस समय प्रकृति के पांचों तत्व संपूर्ण तमोप्रधान हैं इसलिए जभी हम पानी पीते या खाना खाते, बाबा की याद में रहकर पवित्रता की दृष्टि देकर खाते हैं.
- स्वप्न में भी अपवित्रता न आये इसलिए सोने से पहले दस मिनिट बाबा को याद कर बाद में सोते हैं.

संतुष्टता कि चैकिंग ---

- संतुष्टतमणी आत्मा के सम्बन्ध-सम्पर्क में आनेवाली आत्माये सुख, शांति, प्रेम और शक्ति अनुभव करेंगी, क्योंकि संतुष्टमणी आत्मा में सुख, शांति, प्रेम ओर शक्ति के गुन इमर्ज रुप में रहते हैं और यही हमारी चैकिंग पाईन्ट हैं की हमारे सम्बन्ध-सम्पर्क में आनेवाली आत्माये कहा तक ये गुणों का अनुभव करती हैं.
- संतुष्टतमणी आत्मा के मन में होता हैं सबको सुख देना हैं. कोई भी दुखी आत्मा उसके सामने आती हैं तो उनको पौजीटिव संकल्पों और पौजीटिव वायुमंडल देकर उसके दुख को कम करेगी. चेक करें हम ऐसा करते हैं.

धैर्यता कि चैकिंग ---

- धैर्यता वाली आत्मा में सहनशीलता बहुत होती हैं. हमेशा वह दूसरों को आगे बढ़ाने में स्वयं को सुख महसूस करती हैं. इसलिए उनके जीवन में मंत्र हैं "पहले आप". चेक करें हमारे में कहा तक सहनशीलता हैं और हम दूसरों को गिरा कर तो आगे नहीं बढ़ते.

रमणीकता कि चैकिंग --

- रमणीकता में रहनेवाली आत्मा की निशानी हैं सदा लाइट रहेंगी. रमणीकता वाली आत्मा का स्वभाव बहुत मीठा होता हैं. कोई उसका अपमान भी करें तो भी उनको अपना मित्र बना देती हैं, उनको भी प्यार देती हैं, इतनी मिठास आत्मा में होती हैं. चेक करें हम कहा तक मीठा बने हैं. ॐ शांति.